29-08-2022

एनएसआई डायरेक्टर कोजेनरेशन दक्षता पुरस्कार से सम्मानित

वर्तमान में शुगर इंडस्ट्री 4000 मेगा वाट बिजली का उत्पादन कर रही है

▸ प्रोफेसर नरेंद्र मोहन अग्रवाल को यह पुरस्कार शुगर इंडस्ट्री के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए मिला

ब्रीडएन

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के डायरेक्टर नरेंद्र मोहन अग्रवाल को चीनी कारखानों को अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद बिजली निर्यात करने के लिए प्रेरित करने और आवश्यक सलाह प्रदान करने में महत्वपूर्ण योगदान के लिए ‡कोजेनरेशन दक्षता पुरस्कार‡ से सम्मानित किया गया। यह पुरुस्कार नितिन गडकरी, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री, भारत सरकार द्वारा शरद पवार, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और कैबिनेट मंत्री, भारत सरकार की उपस्थिति में संस्थान के निदेशक को दिया गया। उनके द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों से वर्तमान में चीनी मिलें राष्ट्रीय ग्रिड को लगभग 4000 मेगावाट, खोई आधारित, स्व'छ, हरित और नवीकरणीय ऊर्जा का निर्यात कर रही हैं। अब, चीनी मिलों के साथ एकीकृत डिस्टिलरी भी अब बिजली निर्यात कर रही हैं। ये प्रयास न केवल थर्मल पावर जो मुख्य रूप से कोयले पर आधारित है पर निर्भरता कुम करने में सफल हुआ है, बल्कि चीनी कारखानों को बिजली निर्यात से अतिरिक्त आय के माध्यम से भी लाभ हुआ है।बिजली निर्यात को व्यवहार्य और आकर्षक बनाने के लिए, हमने दोनों मोर्चों पर काम किया यानी चीनी मिलों की अपनी बिजली की खपत को कैसे कम किया जाए और प्रति किलो खोई से अधिक बिजली उत्पादन प्राप्त करने के लिए क्या परिवर्तन तकनीक मे किए जाएं, श्री नरेंद्र मोहन, निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर ने कहा । भारतीय चीनी उद्योग ने इस प्रकार कई ऊर्जा कुशल उपकरणों की स्थापना, स्वचालित नियंत्रणों को अपनाने और उ'च दबाव बॉयलरों के साथ एक चरण परिवर्तन का देखा। उन्होंने कहा कि इस उद्देश्य के लिए चीनी उद्योग को विशेष रूप से सलाह देने के लिए, हमने संस्थान मे एक ‡कोजेनरेशन सेल‡ भी बनाया है।

the pioneer
LUCKNOW | MONDAY | AUGUST 29, 2022

NSI director gets Cogeneration Efficiency Award

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

Director, National Sugar Institute (NSI), Prof Narendra Mohan, was conferred 'Cogeneration Efficiency Award' for his significant contribution in inspiring and providing necessary advice to sugar factories to take up power export after meeting their own requirements. The award was given by the Union Minister of Road Transport and Highways Nitin Gadkari in the presence of former chief minister of Maharashtra and union minister Sharad Pawar. Due to continuous efforts made by him at present the sugar factories were exporting about 4000 MW of bagasse based, clean, green and renewable energy to the national grid. Now, even the distilleries integrated with the sugar factories were undertaking power export now. Thus it had not only resulted in dependency on thermal power, mainly coal based, but sugar factories had also been benefitted by way of additional income through power exports.

"For taking power export feasible and attractive, we worked on both fronts i.e. how to reduce captive power consumption and measures required to be taken to achieve more power generation per kg. of bagasse", said Prof Narendra Mohan. "The Indian sugar industry thus observed a phase change with installation of many energy efficient equipment, adoption of automatic controls and high pressure boilers in combination with matching turbines. For advising sugar industry specifically on this purpose, we also created a 'Cogeneration Cell' at the institute", he said.

NSI Director Prof Narendra Mohan being conferred Cogeneration Efficiency Award by the Union Minister Nitin Gadkari.

T-20 CRICKET TOURNAMENT: Many international cricketers of yore would be seen in action at the Road Safety World Series T-20 Cricket Tournament to be held at Green Park stadium here from September 10 to 15. Organised by the Majestic Legend Sports Pvt Ltd, all the matches of Road Safety World Series will be played in Kanpur. Organisors Jaideep Marar, Anas Baqai and Kavita Edgar recently held a meeting with the district administration, including District Magistrate Vishakh G Iyer and discussed the modelities of proposed tournament.

Talking to mediapersons, Head (Corporate Affairs) Anas Baqai said this was the second season and the event will begin in Kanpur. Legend and veteran cricketers of India, South Africa, England, West Indies, Sri Lanka, Australia, New Zealand and Bangladesh will be taking part in the tournament. Organisers said seven matches will be played at Green Park stadium between September 10 and 15.

District Magistrate Vishakh G Iyer has asked the organisers to follow all security standards by coordinating with the local police.

He said No Objection Certificates (NoCs) should also be obtained in time from the electricity, security and PWD departments. DM has directed the Kanpur Nagar Nigam (KNN) officials to sanitise and clean the stadium before the event starts. Joint Police Commissioner Anand Tewari has directed the cops to ensure security arrangements which they had made during the India-New Zealand match held at the Green Park stadium earlier. Anas Baqai said Sachin Tendulkar will unveil the event in Mumbai and Sunil Gavaskar is the brand ambassador of the tournament.

The proposed dates and matches are: India Vs South Africa (September 10); England Vs West Indies and Sri Lanka Vs Australia (September 11); New Zealand Vs South Africa (September 12); England Vs Sri Lanka (September 13); India Vs West Indies (September 14) and Bangla Deh Vs New Zealand (September 15).

एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र को कोजेनरेशन दक्षता पुरस्कार

मंत्री नितिन गडकरी, पूर्व सीएम शरद पवार की मौजूदगी में निदेशक को दिया गया पुरस्कार

पुरस्कार ग्रहण करते निदेशक प्रो.नरेन्द्र मोहन।

कानपुर, 28 अगस्त। चीनी कारखानों को अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद बिजली निर्यात करने के लिए प्रेरित करने और आवश्यक सलाह प्रदान करने में महत्वपूर्ण योगदान के लिए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन को कोजेनरेशन दक्षता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी द्वारा महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री शरद पवार और कैबिनेट मंत्री की उपस्थिति में एनएसआई के निदेशक को दिया गया। निदेशक की ओर से किये गये निरंतर प्रयासो से वर्तमान में चीनी मिलें राष्ट्रीय ग्रिड को लगभग 4 हजार मेगावाट, खोई आधारित, स्वच्छ हरित और नवीकरणीय ऊर्जा का निर्यात कर रही हैं। अब चीनी मिलों के साथ एकीकृत डिस्टिलरी भी अब बिजली निर्यात कर रही है। ये प्रयास न केवल थर्मल पावर को मुख्य रूप से कोयले पर आधारित है पर निर्भरता कम करने में सफल हुआ है बल्कि चीनी कारखानों को बिजली निर्यात से अतिरिक्ति आय के माध्यम से भी लाभ हुआ है। बिजली निर्यात को व्यवहार्य और आकर्षण बनाने के लिए, हमने दोनों मोर्चों पर काम किया यानी चीनी मिलों की अपनी बिजली की खपत को कैसे कम किया जाए और प्रति किलो खोई से अधिक बिजली उत्पादन प्राप्त करने के लिए क्या परिवर्तन तकनीक में किये गजाए। निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने कहाकि भारतीय चीनी उद्योग ने इस प्रकार कई ऊर्जा कुशल उपकरणों की स्थापना स्वचालित नियंत्रणों को अपन[illegible] बायलरों के साथ एक चरण प[illegible] कहाकि इस उददेश्य के लिए च[illegible] रूप से सलाह देने के लिए हमने संस्थान में एक कोजेनरेशन सेल भी बनाया है।

6/12

कानपुर नितिन गडकरी के हाथों पुरस्कृत हुए एनएसआई निदेशक

दैनिक देश मोर्चा समाचार पत्र /संवाददाता- गौरव सिंह

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान एनएसआई के निर्देशक प्रो नरेंद्र मोहन को सड़क परिवहन एवं राज्य मार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कोजेनरेशन दस्ता पुरस्कार से नवाजा है यह सम्मान उन्हें देश भर की चीनी मिलों और डिस्टिलरी उद्योगों को उनके अपने संस्थानों से बिजली तैयार करने में सहयोग के लिए मिला है प्रो नरेंद्र मोहन के निर्देशक में संस्थान ने शिक्षा शोध के साथ ही चीनी उद्योग और किसानों की आय बढ़ाने में तकनीकी मदद की है यह सम्मान पुणे में आयोजित समारोह मैं दिया गया जहां महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री शरद पवार भी मौजूद रहे देश की चीनी मिलें गन्ने की खोई और अन्य अपशिष्ट से हर तरीके से बिजली उत्पादन कर रही है इससे ना सिर्फ उनकी खपत कम हुई बल्कि राष्ट्रीय ग्रिड को 4000 मेगा वाट तक बिजली मुहैया कराई जा रही है एनएसआई में पिछले 3 से 4 में गन्ने की खोई से यह उत्पाद तैयार कर आए हैं जिसमें डाइटरी प्रोडक्ट जैसे बिस्कुट केक आदि विकसित किए हैं गन्ने की बेकार बचने वाली कोई से टेबल कब बोर्ड प्लेट और अन्य उत्पाद तैयार कराए मिल की राख से जैविक खाद तैयार कराई कुछ कहा तो पेटेट भी हुआ है एन एस आई की तकनीक को देखते हुए कीनिया अफ्रीका समेत कई देशों की चीनी संस्थानों ने करार किया है वहां के तकनीशियन और छात्र ऑनलाइन और संस्थागत प्रशिक्षण ले रहे हैं प्रो नरेंद्र मोहन की उपलब्धि पर उन्हें बधाइयां मिल रही हैं उन्हें पहले भी कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं।

गडकरी के हाथों पुरस्कृत हुए एनएसआई निदेशक

अमृत विचार, कानपुर

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन को सड़क परिवहन एवं राज्यमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कोजेनरेशन दक्षता पुरस्कार से नवाजा है। यह सम्मान उन्हें देश भर की चीनी मिलों और डिस्टीलरी उद्योगों को उनके अपने संसाधनों से बिजली तैयार करने में सहयोग के लिए मिला है। प्रो.नरेंद्र मोहन के निर्देशन में संस्थान ने शिक्षा, शोध के साथ ही चीनी उद्योग और किसानों की आय बढ़ाने में तकनीकी मदद की है। यह सम्मान मुंबई में आयोजित समारोह में दिया गया, जहां महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री शरद पवार भी मौजूद रहे।

एनएसआई निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन को सम्मानित करते केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी।

देश की चीनी मिलें गन्ने की खोई और अन्य अपशिष्टों से हरित तरीके से बिजली उत्पादन कर रही है। इससे न सिर्फ उनकी खपत कम हुई, बल्कि राष्ट्रीय ग्रिड को 4000 मेगावाट तक बिजली मुहैया कराई जा रही है। एनएसआई ने पिछले तीन से चार में गन्ने की खोई से सह उत्पाद तैयार कराए हैं, जिसमें डाइटरी प्रोडक्ट जैसे बिस्कुट, केक आदि विकसित किए। गन्ने की बेकार बचने वाली खोई से टेबल, कप बोर्ड, प्लेट और अन्य उत्पाद तैयार कराए। मिल की राख से जैविक खाद तैयार कराई। एनएसआई की तकनीक को देखते हुए केन्या, अफ्रीका समेत कई देशों की चीनी संस्थानों ने करार किया है। वहां के तकनीशियन और छात्र ऑनलाइन और संस्थागत प्रशिक्षण ले रहे हैं। प्रो. नरेंद्र मोहन की उपलब्धि पर उन्हें बधाईयां मिल रही हैं। उन्हें पहले भी कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं।

मिला सम्मान

- चीनी मिलों को बिजली तैयार करने में की मदद, राष्ट्रीय ग्रिड को मिल रही 4000 मेगावाट बिजली
- कोजेनरेशन दक्षता पुरस्कार से नवाजा, चीनी मिलों और डिस्टीलरी को कर रहे तकनीकी सहयोग

प्रो. नरेंद्र मोहन को जेनरेशन दक्षता पुरस्कार से नवाजा

कानपुर, वरिष्ठ संवाददाता। केंद्रीय सड़क, परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन को कोजेनरेशन दक्षता पुरस्कार से सम्मानित किया है। महाराष्ट्र में समारोह में यह पुरस्कार दिया गया, जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में महाराष्ट्र के पूर्व सीएम शरद पवार भी मौजूद रहे। यह सम्मान चीनी कारखानों को अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद बिजली निर्यात करने के लिए प्रेरित करने के लिए दिया गया है।

प्रो. नरेंद्र मोहन ने इस अवार्ड को लेने के बाद आपके अपने अखबार हिन्दुस्तान से इस उपलब्धि को साझा किया। बताया कि उनके प्रयासों से

वर्तमान में चीनी मिलें राष्ट्रीय ग्रिड को 4000 मेगावाट खोई आधारित स्वच्छ, हरित व नवीकरणीय ऊर्जा का निर्यात कर रही हैं। चीनी मिलों के साथ एकीकृत डिस्टलरी भी अब बिजली निर्यात कर रही हैं। इस प्रयास से थर्मल पावर, जो मुख्य रूप से कोयले पर आधारित है, उसकी निर्भरता कम हो रही है। वहीं, चीनी कारखानों को भी बिजली निर्यात से आय का अतिरिक्त लाभ हो रहा है।

एनएसआई के निदेशक को कोजनरेशन दक्षता पुरस्कार मिला

कानपुर। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन को कोजनरेशन दक्षता पुरस्कार से नवाजा गया है। यह पुरस्कार चीनी कारखानों को अपनी आवश्यकता पूरी करने के बाद बिजली निर्यात करने के लिए प्रेरित करने के लिए दिया गया है।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने प्रोफेसर नरेंद्र को मुंबई में आयोजित एक समारोह में शनिवार को यह सम्मान दिया है। निदेशक ने बताया कि चीनी उद्योग को ऊर्जा उत्पादन के संबंध में सलाह देने के लिए एनएसआई में एक कोजनरेशन सेल बनाई गई है। सेल में चीनी मिलों को अपने यहां बिजली की खपत कम करने की तरकीब और तकनीक बताई जाती है। (ब्यूरो)

NSI director gets 'Efficiency Award'

TIMES NEWS NETWORK

Kanpur: Director, National Sugar Institute (NSI), Prof Narendra Mohan was conferred with 'Cogeneration Efficiency Award' for his significant contribution in inspiring and providing necessary advice to sugar factories to take up power export after meeting their own requirements.

The award was given by Union minister of road transport and highways, Nitin Gadkari in presence of former Union minister Sharad Pawar.

At present, the sugar factories are exporting about 4000 MW of bagasse based, clean, green and renewable energy to the national grid due to the continuous efforts made by Prof Narendra Mohan. Even the distilleries integrated with the sugar factories are now exporting power.

"To make power export feasible and attractive, we worked on both the fronts-- how to reduce captive power consumption and measures required to be taken to achieve more power generation per kg of bagasse", said Prof Mohan.